सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 136 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 22 जून, 2026

मूल्य ₹ 3/-

अपना सर्वश्रेष्ठ करो और फिर आराम करो।
–परमहंस योगानंद

इंग्लैंड से वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम... 7 | कांग्रेस: उत्तराखंड विस चुनाव के... 3 | सरकार असल में सबूतों को छिपाने... 2

उद्धव का छोड़कर साथ शिंदे के बनेंगे खास

दिल्ली की उड़ान में सवार छह सांसद

» महाराष्ट्र की राजनीति में फिर आने वाला है भूचाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खबर है कि शिवसेना (यूबीटी) के आधा दर्जन सांसद दिल्ली पहुंच गये हैं और दोपहर बाद वे महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के दरबार में हाजिरी लगाकर अपनी नई राजनीतिक जन्मपत्री की शुरूआत करेंगे। उद्धव ठाकरे के लिए यह खबर वैसी ही है जैसे किसी किसान को फसल कटने से पहले टिड्डियों के हमले की सूचना मिल जाए। जिस पार्टी को बालासाहेब ठाकरे ने अपने खून-पसीने से सींचा वह अब धीरे-धीरे राजनीतिक रियल एस्टेट की तरह हिस्सों में बंटती दिखाई दे रही है।

पहले विधायक गए फिर संगठन गया और अब सांसदों की कतार भी निकल पड़ी है। दिल्ली की राजनीति भी बड़ी दिलचस्प चीज है। यहां विचारधारा अक्सर एयरपोर्ट के वीआईपी लाउंज में सामान बदल लेती है। जो नेता कल तक लोकतंत्र बचाने के लिए छाती पीट रहे थे वही आज सत्ता के स्थायित्व और विकास की दुहाई देते हुए नए झंडे के नीचे दिखाई दे रहे है। राजनीति में इसे अवसरवाद नहीं परिस्थितियों के अनुरूप वैचारिक पुनर्जन्म कहा जाता है। दिल्ली के गलियारों में यह भी चर्चा है कि यह पूरा घटनाक्रम अचानक नहीं हुआ। इसे पश्चिम बंगाल में चल रहे कथित ऑपरेशन लोटस की अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। राहुल गांधी द्वारा केंद्र सरकार को लेकर की गई भविष्यवाणियों और विपक्षी एकजुटता के दावों के बीच भाजपा का रणनीतिकार वर्ग अब कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। सत्ता के गणित में जितने ज्यादा सांसद उतनी ज्यादा निश्चिंत नींद।

उद्धव ठाकरे के सामने सबसे बड़ी चुनौती

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा असर उद्धव ठाकरे की राजनीतिक साख पर पड़ सकता है। लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन के बाद यूबीटी खेमे में नई ऊर्जा दिखाई दी थी। लेकिन यदि सांसदों का एक बड़ा समूह अलग होता है तो यह संदेश जा सकता है कि संगठन के भीतर असंतोष अभी भी समाप्त नहीं हुआ है राजनीतिक रूप से यह सिर्फ संख्या का मामला नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक लड़ाई भी है। हर नया दल-बदल कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर डालता है और विरोधियों को नया हथियार दे देता है।

दिल्ली क्यों बनी राजनीतिक केंद्रबिंदु?

सवाल उठ रहा है कि यह राजनीतिक हलचल महाराष्ट्र के बजाय दिल्ली में क्यों दिखाई दे रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति के समीकरण अब राज्यों की राजनीति को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र की राजनीति गठबंधन सहयोगियों के सहारे चल रही है। ऐसे में भाजपा के लिए संसद में अपनी स्थिति को अधिक मजबूत करना रणनीतिक प्राथमिकता हो सकती है। यदि विपक्षी दलों के सांसद सत्तारूढ़ गठबंधन के करीब आते हैं तो इससे राजनीतिक संदेश भी जाता है और संख्या बल भी बढ़ता है।

2022 में शुरू हुई टूट का सिलसिला अब भी थमता नजर नहीं आ रहा है।

क्या यह ऑपरेशन लोटस का नया अध्याय है?

विपक्षी दल इस संभावित घटनाक्रम को ऑपरेशन लोटस की नई कड़ी के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। विपक्ष का आरोप रहा है कि विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के नेताओं को अपने पाले में लाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जाते हैं। दूसरी ओर भाजपा और उसके सहयोगी दल इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहते हैं कि नेताओं का समर्थन विकास और नेतृत्व में विश्वास के कारण मिलता है।

जनता भी बड़ी उलझन में

उधर जनता भी बड़ी उलझन में है। उसे समझ नहीं आता कि चुनाव में उसने जिस उम्मीदवार को एक विचारधारा के नाम पर वोट दिया था वह कुछ साल बाद दूसरी विचारधारा का प्रचारक कैसे बन जाता है। जनता पांच साल तक महंगाई बेरोजगारी और टैक्स की मार झेलती रहती है जबकि नेता दल बदल को लोकतंत्र का उत्सव बताकर नई कुर्सी पर विराजमान हो जाते हैं। फिलहाल महाराष्ट्र की राजनीति फिर एक बड़े मोड़ पर खड़ी है। उद्धव ठाकरे के सामने अस्तित्व का संकट और शिंदे के सामने विस्तार का अवसर है। दिल्ली मुस्कुरा रही है मुंबई बेचैन है और कार्यकर्ता अपने अपने नेताओं के बयान का इंतजार कर रहे हैं।

आगे क्या होगा?

यूबीटी सांसदों के शिंदे की शिवसेना में विलय के बाद इतना तय है कि महाराष्ट्र की राजनीति शांत नहीं होने वाली। यहां हर कुछ महीनों में सत्ता, संगठन और सिद्धांतों की नई परिभाषाएं लिखी जाती हैं। और इस बार भी कहानी वही है किरदार पुराने हैं मंच वही है सिर्फ संवाद बदल गए हैं। राजनीति का यह नाटक जारी है दर्शक भी वही हैं और टिकट खरीदने वाली जनता भी। फर्क बस इतना है कि पटकथा हर बार पहले से ज्यादा चौंकाने वाली होती जा रही है।

इसलिए टूट गयी उद्धव सेना : बीजेपी

भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने शिवसेना (यूबीटी) सांसदों के दलबदल पर बातचीत करते हुए कहा है कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना असली थी जो हिंदुत्व के विचार को लेकर आगे बढ़ी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना हिंदुत्व की राह से भटकी और कांग्रेस की पिछलग्गू पार्टी बन गई। इसके चलते मूल शिवसेना एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में एकत्रित हुई है। आज शिवसेना यूबीटी के 6 सांसद एकनाथ शिंदे के साथ जुड़ें। असली शिवसेना वही है जो हिंदुत्व की विचारधारा को मानती है और जिसके पास सांसद और विधायक हैं।

राहुल गांधी की भविष्यवाणियां और सरकार में बढ़ी बेचैनी

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि विपक्ष की ओर से लगातार सरकार पर दबाव बनाने और संभावित राजनीतिक बदलावों की भविष्यवाणियों ने सत्ताधारी खेमे को भी सक्रिय कर दिया है। राहुल गांधी सहित कई विपक्षी नेताओं ने समय-समय पर केंद्र सरकार की स्थिरता को लेकर सवाल उठाए हैं। हालांकि भाजपा सार्वजनिक रूप से ऐसे दावों को खारिज करती रही है लेकिन राजनीतिक रणनीति के स्तर पर कोई भी दल अपनी स्थिति को और मजबूत बनाने का अवसर छोड़ना नहीं चाहता।

शिंदे की बढ़ती ताकत

एकनाथ शिंदे के लिए यह घटनाक्रम राजनीतिक विस्तार का अवसर माना जा रहा है। मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने के बाद से शिंदे लगातार खुद को शिवसेना की मुख्य धारा के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। यूबीटी के सांसदों का सहयोग मिलने के बाद उनका यह दावा और मजबूत हो गया है कि पार्टी का बड़ा हिस्सा अब उनके नेतृत्व को स्वीकार कर रहा है।

महाराष्ट्र की सियासत में हलचल नई राजनीतिक करवट

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ी है। दिखाई दे रही है। शिवसेना (यूबीटी) के आधा दर्जन सांसदों के दिल्ली पहुंचने की खबर ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। शिवसेना यूबीटी सांसदों की बगावत उद्धव ठाकरे के लिए एक और बड़ा राजनीतिक झटका माना है। वर्ष 2022 में शुरू हुई टूट का सिलसिला अब भी थमता नजर नहीं आ रहा है। पहले विधायकों का बड़ा समूह अलग हुआ फिर संगठनात्मक ढांचे में बदलाव आया और अब सांसदों के स्तर पर भी दरार चौड़ी हो गयी।

सरकार असल में सबूतों को छिपाने के लिए जांच का समय आगे बढ़ा रही : अखिलेश

» सीएम के 15 दिन और इंतजार करने वाले बयान पर सपा प्रमुख का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर दान घोटाले पर सीएम योगी व सपा प्रमुख के बीच वार-पलटवार जारी है। सीएम के 15 दिन और इंतजार करें वाले बयान पर अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए एसआईटी को चेताया कि कहीं जांच रिपोर्ट ही चोरी न हो जाए। इस बीच, एसआईटी ने एक कर्मचारी को हिरासत में लेकर उसके घर में गोबर के ढेर से लगभग 10 लाख रुपये की नकदी बरामद की है।

उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर दान घोटाले की जांच कर रही एसआईटी को सचेत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एसआईटी सावधान रहे। कहीं जांच रिपोर्ट ही चोरी न हो जाए। फिर वे कहेंगे, 15 दिन और इंतजार कीजिए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकार असल में सबूतों को छिपाने के लिए जांच का समय आगे बढ़ा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दान निधि के दुरुपयोग और गड़बड़ियों की जांच के लिए तीन सदस्यीय हाई-लेवल एसआईटी का गठन किया है।

डबल इंजन सरकार में भ्रष्टाचार भी डबल

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं। कहीं पानी की टंकियां टूट रही हैं, तो कहीं पुल। डबल इंजन सरकार में भ्रष्टाचार की डबल टंकियां हैं। कमीशनखोरी और बजट की लूट से कोई भी काम मानक और गुणवत्ता के अनुसार नहीं हो रहा है। हर जगह बजट की लूट चल रही है। उन्होंने रविवार को जारी बयान में कहा कि ताजा मामला कानपुर के घाटमपुर में चार साल पहले बने ओवरब्रिज का है। 46 करोड़ की लागत से बने ओवरब्रिज में दरारें आ गई हैं। भाजपा सरकार के दौरान हुए निर्माण कार्यों में पहले भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितता हुई है। जल जीवन मिशन से लेकर सड़कों के निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी मामले में बड़ा एक्शन रीवा से आरोपी गिरफ्तार

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट और टिप्पणियां किए जाने के मामले में कानपुर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मध्य प्रदेश के रीवा से आरोपी नागेश्वर सिंह बघेल को गिरफ्तार किया है। रविवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां कोर्ट ने उसे ज़मानत दे दी। सपा अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव ने इस संबंध में साइबर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रीवा के रहने वाले आरोपी नागेश्वर सिंह बघेल का गिरफ्तार किया। जांच के दौरान साइबर पुलिस ने डिजिटल ट्रैकिंग, सोशल मीडिया गतिविधियों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के जरिए आरोपी की पहचान की। साइबर पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। अन्य दो आरोपियों को लेकर भी आगे कि विधिक कार्रवाई की जा रही है. बता दें कि सपा नेता प्रवीण यादव ने 11 जून को कानपुर साइबर थाने में अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में शिकायत दर्ज कराई थी।या हैं। पानी की जो टंकियां फट रही हैं। कहा, टंकी के रूप में भाजपा के भ्रष्टाचार का पेट फट रहा है। जब सारा पैसा कमीशन में खा जाएंगे तो ठेकेदार ऐसी ही जानलेवा टंकिया बनाएंगे। इन हालात में 27 में यूपी से भाजपा का सफाया होना तय है।

सबको जोड़े वही योग

अखिलेश ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जो सब कुछ जोड़े, सबको जोड़े, वही योग है। मन से लेकर मानव-समाज तक योग ही सबसे बड़ा जीवनसूत्र है।

सपा सांसदों के दल-बदल की अफवाह फैलाने पर एफआईआर

मोहनलालगंज सांसद आरके चौधरी के मुख्य सलाहकार और सपा जिला उपाध्यक्ष टीबी सिंह ने रविवार को काकोरी थाने में मामला दर्ज कराया। यह मामला सपा सांसदों के दल-बदल की अफवाहें पर वायरल वीडियो और पोस्ट के खिलाफ है। अभिषेक शांडिल्य पर यूट्यूब व सोशल मीडिया पर फर्जी सामग्री वायरल करने का आरोप है। टीबी सिंह ने इसे सपा की छवि धूमिल करने की साजिश बताया और कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी 37 सांसद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में एकजुट हैं। दल-बदल की खबरें पूरी तरह भ्रामक हैं। सांसद प्रतिनिधि तरुण रावत ने प्रदेश सरकार के एक मंत्री पर अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि टीबी सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

'2007 की तरह फिर बनेगी बसपा सरकार'

» बसपा प्रमुख ने विधानसभा चुनाव की तैयारी की शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 27 विधानसभा चुनाव के बसपा ने पूरी तैयारी शुरू कर दी है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने कहा कि ब्राह्मण समाज और अपर कास्ट के लोगों का बसपा के प्रति रुझान बढ़ रहा है। इससे विपक्षी दलों की नींद उड़ी हुई है।

जिस तरह वर्ष 2007 में ब्राह्मण समाज के सहयोग से बसपा ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी, उसी तरह के राजनीतिक संकेत अब फिर दिखाई दे रहे हैं। एक्स पर किए पोस्ट में मायावती ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बसपा ने विभिन्न वर्ग के लोगों को उम्मीदवार बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विशेष रूप से ब्राह्मण समाज के

लोगों के पार्टी से जुड़ने से विरोधी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी में बेचैनी देखी जा सकती है। बसपा प्रमुख ने कहा कि यूपी जैसे बड़े राज्य में अपरकास्ट समाज, विशेषकर ब्राह्मण वर्ग का हित बसपा में ही सुरक्षित है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने अपने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को संगठन स्तर से लेकर सरकार में रहते हुए भी लागू किया। सभी वर्गों को सम्मान तथा भागीदारी दी।

चुनाव में सभी वर्गों से उम्मीदवार बनाया जाएगा

बसपा सुप्रीमो ने अपने बयान में कहा कि केवल ब्राह्मण ही नहीं, बल्कि क्षत्रिय, वैश्य और अन्य समाज के लोगों को भी उनकी तैयारी और योगदान के आधार पर चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाएगा। पार्टी की तैयारियां लगातार चल रही हैं। सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

मायावती ने आरोप लगाया कि अन्य दलों की सरकारों में ब्राह्मण समाज के लोग लंबे समय से खुद को उपेक्षित, असुरक्षित और ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। इसी कारण बड़ी संख्या में लोग बसपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बसपा सरकार बनने पर ब्राह्मणों को पहले की तरह सम्मान और भागीदारी मिलने का भरोसा भी जताया।

आजम खान की बढ़ीं मुश्किलें! जौहर ट्रस्ट को इनकम टैक्स विभाग ने भेजा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रामपुर जेल में सजा काट रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री आजम खान की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। आजम खान के जौहर ट्रस्ट को आयकर विभाग ने सरकारी धन के दुरूपयोग के मामले में नोटिस जारी किया है। इस मामले की शिकायत करने वाले भाजपा के विधायक आकाश सक्सेना का कहना है कि ट्रस्ट में आजम खान के परिवार के लोग सदस्य हैं।

इस पूरे मामले में सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। नोटिस में चैरिटेबल ट्रस्ट होने के नाते जौहर ट्रस्ट को दी गई आयकर छूट को निरस्त किए जाने को लेकर जवाब मांगा गया है। आरोप है कि आजम खान ने जौहर ट्रस्ट के नाम पर सरकारी जमीन और सरकारी पैसे का दुरुपयोग किया।चैरिटी के नाम पर बनाए गए ट्रस्ट को निजी और पारिवारिक ट्रस्ट बना डाला। मंत्री रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया, सरकारी धन को जौहर यूनिवर्सिटी में लगाया। आजम खान के जौहर ट्रस्ट में गड़बड़ी की शिकायत करने वाले भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने आयकर विभाग के नोटिस को लेकर कहा, शिकायतें तो बहुत हैं, जो पहले से की जा चुकी थीं, उन्हीं शिकायतों को लेकर कई बार इनकम टैक्स की तरफ से नोटिस भी जारी हुए, लेकिन इन लोगों ने कभी किसी नोटिस का संज्ञान नहीं लिया। कभी किसी नोटिस का जवाब नहीं दिया गया। आज के समय में जो सबसे बड़ा घोटाला है, वो जौहर यूनिवर्सिटी का ट्रस्ट है।

अब्बास अंसारी पहले से ही सपा में शामिल थे : ओपी राजभर

» समाजवादी पार्टी की पीडीए पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी में टूट को लेकर फिर बड़ी भविष्यवाणी की है। इसके अलावा अब्बास अंसारी के समाजवादी पार्टी में जाने की अटकलों पर राजभर ने कहा कि वो तो पहले से ही समाजवादी पार्टी में शामिल थे। समाजवादी पार्टी में टूट के दावे को मजबूत करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे आपने देखा।

मंत्री ने कहा कि टीएमसी टूटी उनके 20 संसद टूटे कोई मानने को तैयार नहीं था, शिवसेना को भी कोई मानने को तैयार नहीं था, उनके भी 6 सांसद टूटे है।

मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि जिन लोगों ने महिला विधेयक का विरोध किया है और विधेयक के विरोध में वोट किया है और निश्चित लोकसभा का सत्र चलने जा रहा है और उसी के दौरान यह सब खेल होगा। ओपी राजभर ने कहा कि जैसा कि आपने देखा पीएम मोदी ने भी एक पेड़ मां के नाम का आवाहन किया है। ऐसे में उन्होंने अपने जन्मदिन पर इस कार्य को सोचा है तो अच्छी बात है। मंत्री ओपी राजभर ने शायराना अंदाज में कहा कि लेकर नाम नसीबो का, खून चूसता गरीबों का नाम तो पीडीए का लेते हैं और पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक सहित तमाम लोगों का खून चूसते हैं। समाजवादी पार्टी के द्वारा 1 जुलाई से पीडीए पेड़ लगाने के सवाल पर कहा कि, अच्छी बात है क्योंकि उन लोगों ने अपने जीवन में अनुभव किया कि नदी से पानी, कुएं में कुएं से पानी, हैंडपंप पर और हैंड पंप से पानी के बाद, अब हम लोग बोतल में पी रहे हैं। आने वाली पीढ़ी के लिए हर व्यक्ति को सोचना चाहिए, अपनी अगली जनरेशन के लिए क्या कर रहे हैं, इसलिए हमें एक पेड़ लगाना चाहिए।

कांग्रेस में उत्तराखंड विस के लिए शुरू हुआ मंथन

राज्य प्रभारी व महासचिव ने कार्यकर्ताओं के साथ किया चिंतन

हर हाल में भाजपा को सत्ता से उखाड़ने का संकल्प

» 28 जून से विधानसभाओं का दौरा करेंगे वरिष्ठ नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। अगले साल उत्तराखंड विधानसभा चुनाव है। वर्तमान वहां पर भाजपा का राज है। भाजपा विस-27 में तीसरी बार सता में पुनः आने के लिए तैयारी कर रही है। पर इसबार कांग्रेस ने अपनी तैयारी अभी से शुरू कर दी है। जहां आने वाले समय में पार्टी के दिग्गज नेता राज्य दौरा करेंगे। वहीं कांग्रेस की प्रभारी कुमारी शैलजा ने राज्य को मथने के काम पर अपनी ताकत लगाना शुरू कर दी है।

कांग्रेस महासचिव कुमारी शैलजा ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में टिकट के इच्छुक जिलाध्यक्षों को संगठनात्मक पद छोड़ने का निर्देश देकर एक स्पष्ट रणनीति अपनाई है। यह कदम पद के दुरुपयोग को रोकने और पार्टी के जमीनी स्तर पर कार्य को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिससे संगठन की एकजुटता और चुनावी तैयारी सुनिश्चित हो सके। वहीं प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा के वापस दिल्ली लौटने के बाद नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के आवास पर कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह की अध्यक्षता में वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। वहीं बैठक में हर हाल में भाजपा को सत्ता से उखाड़ने का संकल्प लिया गया।

नेताओं ने भविष्य की गतिविधियों के लिए तीन महीने का रोडमैप सौंपा

शैलजा ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि अभी पूरे संगठन के अध्यक्षों और केंद्रीय प्रभारी के साथ-साथ वामशी रेड्डी - जो भी आ रहे हैं - हम आज अपने सभी जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे। पार्टी पदाधिकारियों ने अपने काम का ब्यौरा देते हुए रिपोर्ट कार्ड पेश किए और भविष्य की गतिविधियों के लिए तीन महीने का रोडमैप सौंपा। इन योजनाओं की पार्टी नेतृत्व समय-समय पर समीक्षा करेगा। शैलजा ने जिला और महानगर अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे संगठन को मजबूत करने की कोशिशें तेज करें, पार्टी की विचारधारा को बूथ स्तर तक ले जाएं और बीजेपी की नीतियों के खिलाफ आंदोलन तेज करें। उन्होंने संगठनात्मक एकता की जरूरत पर भी जोर दिया और नेताओं से कहा कि वे पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलें। पदाधिकारियों की चुनावी महत्वाकांक्षाओं पर पार्टी का रुख साफ करते हुए शैलजा ने कहा कि अगर कोई जिला या महानगर अध्यक्ष विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता है, तो उसे चुनाव की तैयारी शुरू करने से पहले अपने संगठनात्मक पद से इस्तीफा देना होगा।

चुनावी मैदान में उतरने से पहले अपने संगठनात्मक पद छोड़ें कार्यकर्ता : शैलजा

कांग्रेस की महासचिव और उत्तराखंड में पार्टी की प्रभारी कुमारी शैलजा ने उन जिला और महानगर कांग्रेस अध्यक्षों को निर्देश दिया है जो आने वाले विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं कि वे चुनावी मैदान में उतरने से पहले अपने संगठनात्मक पद छोड़ दें। यह निर्देश बुधवार को देहरादून के बीजापुर स्टेट गेस्ट हाउस में जिला और महानगर कांग्रेस अध्यक्षों के साथ हुई बैठक के दौरान दिया गया, जो राज्य के उनके दो दिवसीय दौरे का हिस्सा थी। बैठक के दौरान, शैलजा ने पिछले छह महीनों में पार्टी के संगठनात्मक पुनर्गठन कार्यक्रम के तहत नियुक्त जिला और महानगर अध्यक्षों के कामकाज की समीक्षा की। चर्चा संगठनात्मक गतिविधियों, चुनाव की तैयारियों और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के उपायों पर केंद्रित रही। कांग्रेस नेता ने 17 जून को उत्तराखंड का अपना दो दिन का दौरा शुरू किया। कुमारी शैलजा के अनुसार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वामशी रेड्डी भी बैठक में शामिल हुए।

कांग्रेस ने विधानसभावार बनाई चुनावी रणनीति

विधानसभा वार रणनीति बनाई है। 28 जून से पहले चरण में प्रदेश की 28 विधानसभा क्षेत्रों का पार्टी के वरिष्ठ नेता दौरा करेंगे। इस दौरान जिला, ब्लॉक पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक, जनसंवाद का प्लान बनाया गया। पार्टी नेताओं ने तय किया कि पहले चरण में 28 जून से सात जुलाई तक 28 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया जाएगा। वरिष्ठ नेता अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में जाकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर जनसंवाद करेंगे। इसके अलावा भाजपा की गलत नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, कानून व्यवस्था समेत अन्य मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाने का प्लान बनाया गया। बैठक में प्रदेश सहप्रभारी सुरेंद्र शर्मा, मनोज यादव, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, सीडब्ल्यूसी सदस्य करन माहरा, प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति अध्यक्ष हरक सिंह रावत मौजूद रहे।

झारखंड में राज्यसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन का उल्टा पड़ा दावं

» कांग्रेस का प्रत्याशी बना क्रासवोटिंग का शिकार

» एनडीए समर्थित उम्मीदवार की जीत

» कांग्रेस व राजद में उभरा मतभेद

» सीपीआईएमल भी बिफरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में राज्यसभा चुनाव में मिली हार के बाद इंडिया गठबंधन में उथल-पुथल मच गई। दोनों दल के बीच में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, जिससे गठबंधन के भीतर के गहरे राजनीतिक मतभेद उजागर हुए हैं।

राजद के महासचिव भोला यादव ने भी कांग्रेस को घेरा

राजद के महासचिव भोला यादव ने भी कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राजनीति में राजद कांग्रेस पर निर्भर नहीं है। भोला यादव ने कहा कि कांग्रेस को बयान देने से पहले सोचना चाहिए, दूसरों पर आरोप लगाने से पहले पार्टी को गंभीरता से आत्म-मंथन करने की ज़रूरत है। सीपीआई (एमएल) ने भी कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। नेताओं ने साफ तौर पर कहा कि उनके दोनों विधायकों ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के पक्ष में वोट दिया था।

कांग्रेस ने हार के लिए राजद और सीपीआई (एमएल) को दोषी ठहराया, जबकि इन दलों ने आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस पर ही आत्म-मंथन करने का दबाव डाला है, जिससे झारखंड की राजनीति में तनाव बढ़ा है। चुनाव से पहले ही उम्मीदवार चुनने और राजनीतिक तालमेल को लेकर जेएमए और कांग्रेस के बीच मतभेद साफ हो गए थे, और अप्रत्याशित नतीजों ने गठबंधन सहयोगियों के बीच रिश्तों में और तनाव पैदा कर दिया है तथा अविश्वास को और बढ़ा दिया है। उधर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कांग्रेस पर वार किया है।

कांग्रेस के प्रभारी के राजू राजद और सीपीआई एमएल पर बरसे

झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने आरोप लगाया कि जेएमए ने कांग्रेस उम्मीदवार को पूरा समर्थन दिया, फिर भी राजद और सीपीआई (एमएल) ने गठबंधन के साथ धोखा किया। के राजू ने कहा कि हमें कांग्रेस के सभी 16 वोट और जेएमएम से चार अतिरिक्त वोट मिले, जिससे हमारी कुल संख्या 20 हो गई। हालाँकि, यह नतीजा राजद और सीपीआई (एमएल) की धोखेबाज़ी का नतीजा है। राजू के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, राजद ने कांग्रेस प्रभारी के बयान की कड़ी निंदा की और इसे घटिया मानसिकता का प्रतीक बताया।

राजद कांग्रेस की तरह धोखेबाज़ नहीं : संजय प्रसाद

राजद विधायक और मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि राजद कांग्रेस की तरह धोखेबाज नहीं है और उसकी अपनी अलग पहचान है। यादव ने कहा कि मुझे अच्छी तरह पता है कि किसके कहने पर के. राजू राजद विधायकों पर ये आरोप लगा रहे हैं। उन्हें यह भी अच्छी तरह पता है कि कांग्रेस के कौन से विधायक दूसरी राजनीतिक पार्टियों के दरवाजे खटखटाने के बाद पार्टी में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि राजद अपनी नीतियों और नियमों के अनुसार काम करती है, पार्टी के विधायकों के सभी चार वोट कांग्रेस को गए। यादव ने सवाल उठाया कि के राजू–जो अपने ही विधायकों के लगातार संपर्क में थे–यह कैसे नहीं देख पाए कि असल में अंदर क्या हो रहा था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पहाड़ो पर बढ़ती भीड़ पर्यावरण के लिए खतरा

> भीड़ की वजह से पहाड़ों के पर्यावरण को जो नुकसान पहुंच रहा है वह बहुत खतरनाक है। इससे वहां गर्मी भी बढ़ रही जो वहां के जलवायु को परवर्तित करेगी जो आने वाले समय में और नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए सरकारों को चाहिए वहां पहुंचने लोगों की संख्या को सीमित करने के उपाय हों।

पहाड़ी राज्य उर्फ देवभूमि उत्तराखंड में आजकल चार धाम की यात्रा चल रही है। हिमालयी राज्य में पहाड़ों के ऊपर मैदानी क्षेत्र के सैलानियों की बेतहाशा भीड़ ने वहां की यातायात को बदहाल कर दिया। ऐसी खबरे आती रहती हैं कि लोग तीन-चार दिनों तक रास्तो में गाड़ियों में फंसकर वहां दर्शन को पहुंच रहे हैं। अच्छी बात है लोगों की आस्था बढ़ी है। पर इस भीड़ की वजह से पहाड़ों के पर्यावरण को जो नुकसान पहुंच रहा है वह बहुत खतरनाक है। इससे वहां गर्मी भी बढ़ रही जो वहां के जलवायु को परवर्तित करेगी जो आने वाले समय में और नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए सरकारों को चाहिए वहां पहुंचने लोगों की संख्या को सीमित करने के उपाय हों। यह संकट केवल सैर-सपाटे तक सीमित नहीं है, बल्कि आस्था के नाम पर भी स्थिति विस्फोटक हो चुकी है। इस साल की चारधाम यात्रा के शुरुआती एक महीने के भीतर ही बीस लाख लोगों के दर्शन करने का सरकारी आंकड़ा सामने आया है। हमें ठंडे दिमाग से सोचना होगा कि नीचे से आने वाली गाड़ियों के लिए सड़कें भले ही चौड़ी कर दी गई हों, लेकिन केदारनाथ, यमुनोत्री, रोहतांग, जोशीमठ या श्रीनगर का मूल क्षेत्रफल या उनका प्रवेश द्वार तो नहीं बढ़ा है।

नीचे से अनियंत्रित भीड़ आती है और ऊपर जाकर पहाड़ों को कचरा, वाहनों से निकलने वाली जहरीली गैसें और पानी का भीषण संकट दे देती है। यह बिल्कुल वैसा ही नजारा है, जैसा ये लोग अपने शहरों में छोड़ कर आए थे। इस बार तो पहाड़ जाम के साथ-साथ अभूतपूर्व तापमान से भी तप रहे हैं। देहरादून से लेकर मंडी और हमीरपुर तक पारा लगातार 42 डिग्री के पार जा रहा है। जलवायु परिवर्तन की यह मार अब बड़े स्तर पर हमारे सामने साफ दिख रही है। नीम करोली बाबा का शांत और सुरम्य कैंची धाम न जाने कब व्यावसायिक पर्यटन स्थल में बदल गया, जहां अब उस शांत जगह पर हर हफ्ते लंबा जाम लगना एक आम बात हो गई है। दावे चाहे जितने भी किए जाएं, लेकिन इस अनियंत्रित भीड़ के कारण पहाड़ों में पॉलीथिन और प्लास्टिक का बेशुमार कचरा एकत्र हो रहा है, जो वहां के बुग्यालों यानी घास के मैदानों, जंगली जीवों और वनस्पतियों के लिए काल बन रहा है। अकेले जोशीमठ में बीते एक महीने के दौरान नगरपालिका ने तीन टन प्लास्टिक कचरा, जिसमें अधिकांश पानी की बोतलें थीं, एकत्र किया है। कभी विचार करें कि क्या पहाड़ के पास अपना इतना संसाधन है कि वह एक महीने में बीस लाख लोगों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था कर सके? जाहिर है कि यह सब वहां के नैसर्गिक जल स्रोतों और जंगलों पर एक जानलेवा बोझ है। रही-सही कसर केदारनाथ में हवाई सेवाओं ने पूरी कर दी है, जिसके शोर से हमारे ग्लेशियर असहज हैं और ईंधन से निकलने वाला कार्बन पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न्याय के तराजू पर मशीनों की लाचारी

डॉ. सुधीर कुमार

हाल ही में चर्चित हस्तियों और मीडिया जगत में 'नार्को टेस्ट' की मांग को लेकर छिड़ी बहस ने तकनीक की विश्वसनीयता पर फिर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। रौशन आनंद द्वारा खान सर (उर्फ फैजल खान) के संदर्भ में की गई नार्को टेस्ट की मांग, जन-मानस के उस भ्रम को दर्शाती है कि तकनीक ही अपराध का अंतिम समाधान है। लेकिन, न्याय के तराजू पर क्या मशीनें वास्तव में मानवीय सत्य को तोलने में सक्षम हैं? हाल के वर्षों में निचली अदालतों ने हाई-प्रोफाइल मामलों में पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति देने में अत्यधिक सावधानी बरती है, जिसमें 'श्रद्धा वाकर हत्याकांड' भी चर्चा का विषय रहा। कानूनी जानकारों और अदालतों का स्पष्ट मत है कि पॉलीग्राफ से प्राप्त मशीनी डेटा 'साक्ष्य' नहीं, बल्कि केवल जांच को दिशा देने वाली 'सहायक सामग्री' है।

भारत के 'आरुषि तलवार हत्याकांड' ने यह सिद्ध किया कि ऐसे परीक्षण वैज्ञानिक रूप से निर्णायक नहीं होते और इनके विरोधाभासी परिणाम जांच की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा सकते हैं। सच कड़वा होता है, लेकिन झूठ का नकाब ओढ़ना आसान है। अक्सर 'पॉलीग्राफ' को झूठ पकड़ने का अचूक हथियार माना जाता है, जबकि कानून और मनोविज्ञान के नजरिए से यह अत्यंत विवादास्पद है। मनोविज्ञान के अनुसार झूठ पकड़ना विज्ञान नहीं बल्कि एक कला है; फिल्मों में पसीना आना या नजरें चुराना झूठ की निशानी माना जाता है, पर असल जीवन में यह घातक हो सकता है। मनोविज्ञान में इसे 'ओथेलो एरर' कहा जाता है – जहां एक निर्दोष व्यक्ति का स्वाभाविक डर, पसीना आना या घबराहट जांचकर्ताओं को 'झूठ' का प्रमाण प्रतीत होता है। याद रहे, मशीनें केवल शारीरिक तनाव को मापती हैं, मानवीय संवेदनाओं या सत्य को नहीं। 'कॉग्निटिव लोड' की पहचान केवल एक प्रशिक्षित विशेषज्ञ का काम है, किसी जादुई मशीन का नहीं। ठीक यही स्थिति पूछताछ के दौरान होती है; एक निर्दोष व्यक्ति भी पुलिस के माहौल, पूछताछ के दबाव या अपनी प्रतिष्ठा खोने के डर से घबरा सकता है, पसीना छोड़ सकता है या उसकी हृदय गति बढ़ सकती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में एल्ड्रिच एम्स (सीआईए अधिकारी एवं सोवियत जासूस) और 'बीटीके किलर' (डेनिस राडर) जैसे मामले यह स्पष्ट करते हैं कि पॉलीग्राफ परीक्षण पूरी तरह विश्वसनीय नहीं हैं। एल्ड्रिच एम्स जैसे जासूसों ने तनाव नियंत्रित कर पॉलीग्राफ को वर्षों तक छला, जबकि बीटीके किलर जैसे अपराधियों को डीएनए और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे ठोस साक्ष्यों ने ही बेनकाब किया। स्पष्ट है कि पॉलीग्राफ केवल एक 'संभावना' जता सकता है, निश्चितता नहीं। प्रशिक्षित अपराधी अपनी शारीरिक प्रतिक्रियाओं पर काबू पाकर इन मशीनों को आसानी से विफल कर सकते हैं, अतः ये तकनीकें कभी भी सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हो सकतीं। सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (२०१०) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पॉलीग्राफ, नार्को-एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग जैसे परीक्षण व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किए जा सकते। कोर्ट ने इसे निजता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत प्राप्त 'आत्म-दोषारोपण के विरुद्ध अधिकार' का उल्लंघन माना है। इस मौलिक अधिकार का अर्थ है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध गवाह बनने या खुद को दोषी ठहराने वाले बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कानूनन इन परीक्षणों के परिणाम सीधे 'साक्ष्य' नहीं माने जा सकते; इन्हें केवल जांच में दिशा देने वाले एक 'सुराग' के रूप में ही इस्तेमाल किया जा सकता है; विशेषकर डिजिटल युग में, जहां व्यक्तिगत डेटा और मस्तिष्क की निजता पर बड़ा संकट है, नार्को-एनालिसिस जैसे परीक्षणों को विज्ञान की आड़ में अनैतिक प्रयोग बनने से रोकना, न्यायपालिका की सर्वोपरि जिम्मेदारी है। कनाडा के सुप्रीम कोर्ट ने इसे भ्रमित करने वाला मानकर खारिज

किया है, तो इस्राइल में इसे दीवानी मामलों में अमान्य करार दिया गया है। यूरोप में इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन माना जाता है, जबकि अमेरिका और जापान जैसे देशों में इसकी भूमिका बेहद सीमित है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इन परीक्षणों में वैधता का अभाव है, जिसके कारण इन्हें अक्सर 'छद्म विज्ञान' की श्रेणी में रखा जाता है।

पॉलीग्राफ मशीनों की बड़ी सीमा यह है कि वे 'सच' नहीं, केवल हृदय गति जैसे 'शारीरिक तनाव' को मापती हैं, जिसका कारण घबराहट या पुरानी यादें भी हो सकती हैं। यह एक 'फॉल्ट डिटेक्टर' है, न कि 'ट्रुथ डिटेक्टर', क्योंकि प्रशिक्षित अपराधी आसानी से अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित कर इसे विफल कर सकते हैं। अतः वैज्ञानिक और कानूनी दृष्टि से ये मशीनें सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हैं; इसके विपरीत, एक अनुभवी विशेषज्ञ ही अपराधी के उन सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक संकेतों और व्यावहारिक बारीकियों को पकड़ सकता है, जिन्हें छिपाना लगभग असंभव होता है।

हिंदी पत्रकारिता के आकाश में 'छत्तीसगढ़ मित्र' की दीप्ति

राजेश गनोडवाले

अपने रायपुर (छत्तीसगढ़) शहर में पत्रकारिता के दो-एक आयोजनों से गुजरने के बाद देखा कि पूर्वज परंपरा अब स्मृति-लोप का अधिक शिकार है। ठीक उस वक्त जब हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों का कालखंड (सन 1826 में कोलकाता से पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा हिंदी साप्ताहिक 'उदंत मार्तण्ड' का प्रकाशन) सामने है तब खुशी और हैरानी एक साथ सामने उभर आई है। देश में अलग-अलग जगह होने वाले आयोजनों ने बताया कि वे लोग बंगाल की भूमि से उठे एक व्यक्ति के 'उस अवदान' को प्रणति दे रहे हैं – जिसे आज 'पत्रकारिता' जैसे सम्मान जनक पेशे के रूप में दुनिया जानती है। उनकी याद, सिर्फ भावुक याद नहीं, आज के समय में दो सौ वर्षों के इस वृहद कालखंड के बीत जाने के बाद खुद को खंगालने जैसा भी है। 'माधवराव सप्रे' इस नाम से पहला परिचय स्कूली दौर में हुआ था।

कारण था इस नाम वाली उस पाठशाला में हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए भर्ती होना। कोई बड़ी मालूमात नहीं थी कि इस नाम का जो महत्व है वही आगे चलकर मेरी अपनी पहचान का कारण बनेगा। अर्थात लिखने-पढ़ने वाला जीवन। बरसों बाद, जब डॉ. अशोक सप्रे से परिचय हुआ तो धीरे-धीरे जाना कि जिन माधवराव सप्रे नाम के स्कूल में तीन वर्ष बिताए उनका असल परिचय क्या था। उन्नीसवीं सदी (19 जून, सन 1871 में जन्म) वाले माधवराव सप्रे के परिवार से जुड़ा वर्तमान सदी का कोई सदस्य सामने सहज सुलभ था, उनके घर भी आवाजाही थी। बावजूद सप्रेजी का कहा या प्रकाशन जो अनकहा हो इस बाबत डॉ. सप्रे बता सकते थे उस तथ्य से परिचित होने से चूक गया। इतने बरसों बाद जब हम पत्रकारिता के एक बिल्कुल अलग दौर में खड़े हैं तब संत मन वाले माधवराव सप्रे का योगदान हैरानी में डालता है! उस काल में, जब इस विधा विशेष के लिए न तो ठिकाने के उदाहरण थे न ही रास्ते सुलभ थे तब एक आदमी जो स्वयं अनजान था असाधारण साहस करने सामने आता है!

पत्रिका कैसे चलेगी इसका कोई पूर्वानुभव नहीं था अलबत्ता हौसला कम न था। लेकिन तीन वर्ष की अवधि तक निरन्तर घाटा होते रहने के कारण मजबूरन प्रकाशन रोकना पड़ा। छोटी आयु मिली थी 'छत्तीसगढ़ मित्र' को। मात्र तीन साल। सन 1900 के पहले महीने सप्रे जी पत्रकारिता की अपनी वह योजना धरातल पर उतारते हैं। संघर्ष करते-करते अंततः तीसरे वर्ष पत्रिका का प्रकाशन रोकना पड़ जाता है। जबकि पत्रिका की गुणवत्ता का मानदंड समझने को प्रयाग से निकलने वाली 'सरस्वती' की ओर देखना चाहिए जिसे आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सन 1903 में संपादक का भार संभालने के बाद ठीक उसी भावभूमि पर ढाला था जिस पर 'छत्तीसगढ़ मित्र' का वैचारिक आधार टिका हुआ था। 'छत्तीसगढ़' नाम को सामने रखने के विचार किस कदर गहरा था! गैर हिंदी भाषी (मराठी मूल का) एक साधक रचनाकार समाज को हिंदी में कुछ देने की नीयत से निकलता है और उस 'छत्तीसगढ़' को, जो तब एक अंचल मात्र था, के लिए इस अखबार को 'मित्र' के रूप में देखता है।

आज भले 'सप्रे रचनावली' हमारे सामने पत्रकारिता के उस युग को विस्तार से समझने का जरिया हो। इसके समानांतर सन 2022 में साहित्य अकादमी, नई दिल्ली से आई 'भारतीय साहित्य के निर्माता माधव राव सप्रे' किताब नई पीढ़ी को जरूर पढ़नी चाहिए। यह किताब पत्रकारिता को समझने की एक पोथी तो है, साथ में व्यक्ति विशेष के अवदान को भी समझाती है। पत्रिका के पहले अंक में संवाददाताओं की नियुक्ति के लिए सप्रे जी इच्छुकों से आग्रह करते रोचक ढंग लिखते हैं कि, 'मेहनती और ईमानदार की दरकार है। गपोड़ी आदमी नहीं चाहिए!' इसके उलट आज की पत्रकारिता का सारा दारोमदार ही उस 'सप्रे भाव' से छत्तीस के आंकड़े पर है! 'छत्तीसगढ़ मित्र' जिस काल में अपने नगण्य साधनों से सामने आया तब न तो जीवन में रंग दाखिल थे और न मानव देह का हिस्सा थे। इस नई सदी में भारत के विकास का अश्वमेध घोड़ा जब दुनिया की परिक्रमा कर रहा हो तब भी यानी सन 2026 में भी पं. माधवराव सप्रे के उसी 'छत्तीसगढ़ मित्र' का जीवन खुशहाल नहीं है! सन 2009 से दोबारा प्रकाशित हो रही इस पत्रिका के सम्मुख चुनौतियां जस की तस हैं! अलबत्ता अच्छी सामग्री की बदौलत ही वह जी रही है। दूसरी पत्रिकाओं से स्पर्धा के लिए भी उसके पास कोई आधार नहीं।

उसकी ताकत सहजता है। बिना फोटो वाला रूप उसका पहचान पत्र है। ग्राफिक्स बेस्ड ले-आउट, मल्टी कलर के समय में बिना चमक, बिना किसी गर्जना के टिका रहना क्या उपलब्धि नहीं मानी जाएगी? वर्तमान हिंदी पत्रकारिता आर्थिक नवजागरण में हिलोरे ले रही है। जबकि सप्रे जी ने सन 1900 में इसे हिंदी-नवजागरण की दिशा में एक प्रस्थान बिंदु की तरह देखा-दिखाया। आज इक्कीसवीं शताब्दी संसाधनों के अतिरेक की शताब्दी है। बदलाव स्वाभाविक प्रक्रिया है। इस शताब्दी के आरम्भ होने के साथ पत्रकारिता ने उपलब्धियों और कामयाबी की असाधारण डगर भी पार की। भारत में मीडिया का उजला चेहरा उसकी ताकत बना है। कस्बों में पत्र-पत्रिकाओं की फौज दिखाई देती है। अब एक-एक अक्षरों को जोड़ने वाली धीमी छपाई वाले स्याही युग से हम कोसों दूर निकल आए। डिजिटल-स्क्रीन और यह समय तो उसके भी ऊपर एआई का है। 'कृत्रिम मेधा' का इस्तेमाल भी स्वस्थ पत्रकारिता की राह में नया रोड़ा है। कभी स्वाधीनता इसका धर्म था। बाद में आजाद भारत का बढ़ता कद इसने देखा-दिखाया।

लहसुन बचा सकता है बीमारियों पर लाखों का खर्च

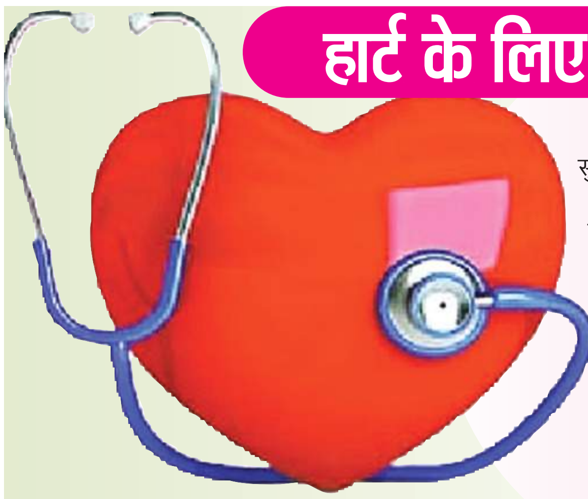

हार्ट के लिए फायदेमंद

दिल से जुड़ी बीमारियों से आपको सुरक्षित रखने में लहसुन काफी मददगार हो सकता है। अध्ययनों में पाया गया है कि लहसुन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ने से रोकने में भी लहसुन खाने के लाभ हैं। लहसुन बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है, जिससे दिल की बीमारियों का जोखिम कम होता है। इसलिए लहसुन में मौजूद पोषक तत्वों का अधिक लाभ पाने के लिए पुरुषों को लहसुन की तीन से चार कलियां चबाकर या भून कर खानी चाहिए।

संक्रमण से बचाव

लहसुन को प्राकृतिक इम्युनिटी बूस्टर भी माना जाता है। इसमें मौजूद सल्फर कंपाउंड्स और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि लहसुन सेवन से बार-बार सर्दी-जुकाम होने का खतरा कम होता है। लहसुन में मौजूद एलिसिन बैक्टीरिया, वायरस और फंगस के खिलाफ प्रभावी पाया गया है। इसके अलावा लहसुन में कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आहार आपके हार्ट हेल्थ को ठीक रखने में काफी कारगर हो सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, रोजाना लहसुन खाने से सर्दी-जुकाम होने की संभावना लगभग 60 फीसदी कम हो जाती है। लहसुन के सेवन से सर्दी के लक्षण जल्द ही दूर हो जाते हैं। लहसुन हानिकारक फ्री रैडिकल्स से बचाता है, डीएनए को नुकसान पहुंचा सकते हैं। लहसुन में जिंक और विटामिन सी होता है, जो संक्रमण से लड़ने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है।

शुगर में लाभ

अध्ययनों में पाया गया है कि लहसुन ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद सक्रिय तत्व इंसुलिन संवेदनशीलता को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। लहसुन अचानक शुगर बढ़ने के खतरे को कम करता है, हालांकि इसे डायबिटीज की दवा की जगह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। अच्छी डाइट, एक्सरसाइज और डॉक्टर की सलाह पर लहसुन शुगर के मरीजों को लाभ देता है।

हमारी रसोई में रोजाना कई ऐसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता रहा है, जो कई औषधीय गुणों से भरपूर मानी जाती हैं। भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाले मसाले खुद में तमाम तरह के पोषक तत्वों को समेटे होते हैं जिनकी हमें निरंतर जरूरत होती है। आयुर्वेद से लेकर मेडिकल साइंस तक ने इसकी पुष्टि की है। लहसुन भी हमारे किचन में रोजाना इस्तेमाल होने वाली ऐसी ही कारगर औषधि है जिसे विशेषज्ञों ने काफी फायदेमंद बताया है। इसमें मौजूद एलिसिन नामक कंपाउंड को लहसुन को काफी शक्तिशाली बना देता है। लहसुन में विटामिन-सी, विटामिन-बी6, मैंगनीज, सेलेनियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं। जो आपको कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं से बचाए रखने में मददगार हो सकते हैं। नियमित और संतुलित मात्रा में लहसुन का सेवन इम्युनिटी बूस्ट करने से लेकर ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने, कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने से रोकने और दिल की सेहत बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, सुबह खाली पेट कच्चा लहसुन खाने की आदत आपको कई लाभ दे सकती है।

लहसुन के फायदे

लहसुन हमारी सेहत के लिए कितना कारगर है, अक्सर लोग इससे अनजान रह जाते हैं। हालांकि ज्यादा लाभ के चक्कर में इसका ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए। जरूरत से ज्यादा मात्रा में लहसुन पेट में जलन, गैस बढ़ाने के साथ खून को पतला कर सकती है। वहीं अगर सही मात्रा में इसे खाया जाए तो आप गंभीर बीमारियों पर होने वाले लाखों के खर्च से बच सकते हैं।

हंसना मना है

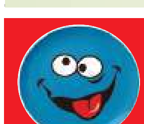

प्रेमिका-'मेरी बड़ी इच्छा है कि अगले जन्म में मैं चांद बनूं। प्रेमी-'और मैं इस चंद्रमा पर उतरने वाला प्रथम अंतरिक्ष यात्री।

शशि-'ऑटोग्राफ देना कब बेहतर नहीं लगता?' विनोद-'जब पत्नी को चेक बुक पर देना पड़े।

टेलीफोन ऑपरेटर से एक सज्जन ने दिल्ली का नंबर मिलाने का अनुरोध किया। ऑपरेटर ने कहा-'वहां बात करने का शुल्क 100 रुपये है।' उन सज्जन ने स्पष्ट किया-'मुझे बात नहीं करनी है, सिर्फ सुननी है, क्योंकि मैं अपनी पत्नी को ट्रंक कॉल कर रहा हूं।'

'आपको समुद्र-यात्रा बहुत लाभ पहुंचाएगी' सिग्रता से सिग्रता से प्रबन्ध कर लीजिए।' डॉक्टर ने खुद वकील मित्र से कहा। 'कोई लाभ नहीं डॉक्टर! मेरी पत्नी तैरना जानती है!'

अंग्रेज ने इंडियन से कहा-'आपके यहां बच्चे किसी के गोरा, किसी के काला होता है। ऐसा क्यों?' भारतीय ने कहा-'गधे एक ही रंग के होते हैं तथा घोड़े रंग-बिरंगे होते हैं।

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफसोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। इसको पता कैसे चला।

कहानी | यज्ञ की सच्ची पूर्ण आहुति

एक बार युधिष्ठिर ने विधि-विधान से महायज्ञ का आयोजन किया। दूर-दूर से राजा-महाराजा और विद्वान आए। यज्ञ पूरा होने के बाद दूध और घी से आहुति दी गई, लेकिन आकाश घंटियों की ध्वनि सुनाई नहीं पड़ी। जब तक घंटियां नहीं बजतीं, यज्ञ अपूर्ण माना जाता है। युधिष्ठिर को चिंता हुई। वह सोचने लगे कि आखिर यज्ञ में कौन सी कमी रह गई कि घंटियां सुनाई नहीं पड़ीं। उन्होंने भगवान कृष्ण से अपनी समस्या के बारे में बताया। श्री कृष्ण ने कहा, किसी गरीब, सच्चे और निश्छल हृदय वाले व्यक्ति को बुला कर उसे भोजन कराएं। जब उनकी आत्मा तृप्त होगी तब आकाश घंटियां अपने आप बज उठेंगी। श्री कृष्ण ने युधिष्ठिर को ऐसे एक व्यक्ति के बारे में बताया। तब धर्मराज स्वयं उसकी खोज में निकल पड़े। और उस निर्धन की कुटिया तक पहुंचे। युधिष्ठिर ने अपना परिचय देते हुए उससे प्रार्थना की – बाबा, आप हमारे यहां भोजन करने की कृपा करें। पहले तो बाबा ने मना कर दिया लेकिन काफी प्रार्थना करने पर वह तैयार हो गये। युधिष्ठिर उन्हें लेकर यज्ञ स्थल पर आए। द्रौपदी ने अपने हाथ से स्वादिष्ट खाना बनाकर उन्हें खिलाया। भोजन करने के बाद उस व्यक्ति ने ज्यों ही संतुष्ट होकर डकार ली, आकाश की घंटियां गूंज उठीं। यज्ञ की सफलता से सब प्रसन्न हुए। युधिष्ठिर ने कृष्ण से पूछा- भगवन, इस निर्धन व्यक्ति में ऐसी कौन सी विशेषता है कि उनके खाने के बाद ही यज्ञ सफल हो सका। श्री कृष्ण ने कहा – धर्मराज, इस व्यक्ति में कोई विशेषता नहीं है, यह गरीब है। दरअसल आपने पहले जिन्हें भोजन कराया वे सब तृप्त थे। जो व्यक्ति पहले से तृप्त हैं, उन्हें भोजन कराना कोई विशेष उपलब्धि नहीं है। जो लोग अतृप्त हैं, जिन्हें सचमुच भोजन की जरूरत है, उन्हें खिलाने से उनकी आत्मा को जो संतोष मिलता है, वही सबसे बड़ा यज्ञ है। वही सच्ची आहुति है। आप ने जब एक अतृप्त व्यक्ति को भोजन कराया तभी देवता प्रसन्न हुए और सफलता की सूचक घंटियां बज गईं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ – कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नई आर्थिक नीति बन सकती है।

मिथुन – कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क – व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह – स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी।

कन्या – नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला – लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृश्चिक – व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

धनु – व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर – शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा।

कुम्भ – निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। सुख के साधनों पर व्यय होगा।

मीन – व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

कुछ प्रोड्यूसर्स व्हाइट कॉलर माफिया की तरह काम करते हैं : शिल्पा शिंदे

शिल्पा शिंदे ने एक बार फिर टीवी इंडस्ट्री में आर्टिस्ट्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने टेलीविजन इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर्स की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रोड्यूसर्स व्हाइट कॉलर माफिया की तरह काम करते हैं। इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे ने निर्माताओं को खूब भला-बुरा कहा है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में शिल्पा शिंदे ने कहा, 'जैसा कि आपने देखा आर्टिस्ट एसोसिएशन खुद आर्टिस्ट्स के साथ खड़ी नहीं होती है। टीवी इंडस्ट्री में ये प्रोड्यूसर्स माफिया की तरह काम करते हैं। वे व्हाइट-कॉलर माफिया हैं। मैं हमेशा से यह कहती रही हूं। जो प्रोड्यूसर्स उन्हें सपोर्ट नहीं करते हैं, उन्हें धमकी भी दी जाती है। कहा जाता है कि अगर कल तुम्हें कुछ हो गया, तो हम तुम्हें सपोर्ट नहीं करेंगे। सपोर्ट की तो बात ही छोड़िए। वे कहते हैं कि हम तुम्हारा काम रोक देंगे। हम तुम्हारा अभी का शो नहीं चलने देंगे; तुम्हें हमारा साथ देना होगा। शिल्पा शिंदे ने एक्टर शहजादा धामी को अभी तक करीब 30 लाख रुपये का बकाया ना मिलने के दावों पर निराशा भी जताई। वह वीडियो में आगे कहती हैं, 'उन्होंने मेरा साथ भी नहीं दिया। आज भी जब उनके पास मेरे साथ खड़े होने का मौका था, तब भी वे नहीं आए। मुझे बोलने की कोई जरूरत नहीं थी। किसी को पता भी नहीं कि उस समय मैं किस दौर से गुजरी थी। लोग मुझ पर झूठा इल्जाम लगा रहे हैं कि मैं यह सिर्फ पैसे के लिए कर रही हूं। आज 10 साल बाद भी, वह प्रोड्यूसर टीवी शो और फिल्में बना रहे हैं। किसी में भी अपने लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ने की हिम्मत नहीं है। और फिर लोग सुसाइड जैसे बड़े कदम उठा लेते हैं।'

जल्द एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी प्रियंका चोपड़ा!

बॉलीवुड से निकल हॉलीवुड तक नाम कमा चुकी प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म वाराणसी को लेकर सुर्खियों में हैं। यह भारी-भरकम बजट में बनी फिल्म है, जिससे प्रियंका चोपड़ा को बहुत उम्मीदें हैं। एसएस राजामौली की इस फिल्म में प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में प्रियंका ने इस फिल्म पर बात की। साथ ही बताया कि वे जल्द ही एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने फ्यूचर प्लान पर फॉर्च्यून इंडिया से बात करते हुए बताया कि वे एंजेलिना जोली के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह प्रोजेक्ट कोई फिल्म होगी, विज्ञापन होगा या कोई चैरिटी से जुड़ा काम। प्रियंका ने हॉलीवुड की उन महिलाओं में एंजेलिना जोली का भी जिक्र किया, जिनसे उन्हें प्रेरणा मिलती है। प्रियंका चोपड़ा फिलहाल एस.एस. राजामौली की फिल्म वाराणसी के आखिरी कुछ शेड्यूल की शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को अपने करियर का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बताया है। उन्होंने कहा, हम जो करने की कोशिश कर रहे हैं, वह बहुत बड़ा और महत्वाकांक्षी है। ऐसा काम बहुत समय से देखने को नहीं मिला है। मैं न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए इसे लेकर बहुत उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रही हूं, क्योंकि यह एक बहुत बड़ी ग्लोबल रिलीज होगी और लोगों को पता चलेगा कि हम पिछले तीन वर्षों से किस चीज पर काम कर रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर में हुई तरक्की के बारे में बात की। हैदराबाद में शूटिंग के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, फिल्म वाराणसी के सेट पर शूटिंग का माहौल बहुत मजेदार है।

रुक्मिणी वसंत के डीपफेक वीडियो मामले में साइबर क्राइम ने लिया एक्शन

रुक्मिणी वसंत की एआई बनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर बनाने और फैलाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों ने रुक्मिणी की मॉर्फ्ड तस्वीरें और वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ङ्क) टूल्स का इस्तेमाल किया और उन्हें ऑनलाइन शेयर किया। उनका मकसद एक्ट्रेस को बदनाम करना और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाना था।

एक्स (ट्वीटर) अकाउंट पर सामाथा लिखती हैं, 'पहले दिन किसी फिल्म की इतनी अच्छी ओपनिंग देखना बहुत ही खुशी का अनुभव है। यह बात हमारे लिए बहुत मायने रखती है। यह देखकर बहुत खुशी होती है कि दर्शक फिल्म को अपना रहे हैं, चाहे वह मेल-लीड हो या फीमेल-लीड। यह देखना बहुत अच्छा लगता है कि लोग पूरे दिल से फिल्म देखने आ रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि ओपनिंग डे पर महिलाओं का योगदान बहुत ज्यादा रहा है। लंबे समय से हम सुनते आ रहे हैं कि थिएटर में ओपनिंग डे कलेक्शन पुरुष दर्शकों की वजह से होती है। सिनेमा के दर्शकों की संख्या का बढ़ना और बदलना बहुत अच्छी बात है। हमारे छोटे से प्रोडक्शन हाउस ने कमाल कर दिखाया।'

मां इंटी बंगारम एक ऐसी महिला की कहानी है जो एक पारंपरिक घर में नई बहू बनकर आती है। वह शांत, आज्ञाकारी और सबकी नजर में रहने वाली महिला है। लेकिन परिवार को यह नहीं पता कि वह क्या छिपा रही है। जब उसका दबा हुआ अतीत सामने आने लगता है, तो उसे उन्हीं लोगों की मदद करनी पड़ती है जो उस पर पूरी तरह भरोसा नहीं करते हैं। इस फिल्म को नंदिनी रेड्डी ने निर्देशित किया है।

अजब-गजब | यह है दुनिया का अनोखा घर

यहां रहने वाले हर रोज जाते हैं विदेश, बिना पासपोर्ट-वीजा के

दुनिया भर में देशों की सीमाएं आमतौर पर सख्त नियमों, सुरक्षा चौकियों और पासपोर्ट-वीजा जैसी प्रक्रियाओं से जुड़ी होती हैं। लेकिन भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक ऐसा गांव भी मौजूद है, जहां अंतरराष्ट्रीय सीमा लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। यह अनोखा गांव है लोंगवा, जो नगालैंड के मोन जिले में भारत और म्यांमार की सीमा पर स्थित है। लोंगवा गांव अपनी खूबसूरत प्राकृतिक वादियों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी पहचान यहां स्थित एक खास घर है। यह घर कोंगयाक नगा जनजाति के पारंपरिक मुखिया, जिन्हें स्थानीय भाषा में अंगघ कहा जाता है। इस घर की विशेषता यह है कि इसके बीचों-बीच भारत और म्यांमार की अंतरराष्ट्रीय सीमा गुजरती है।

इस अनोखी भौगोलिक स्थिति के कारण घर का एक हिस्सा भारत में आता है, जबकि दूसरा हिस्सा म्यांमार में स्थित है। बताया जाता है कि मुखिया का बेडरूम भारतीय सीमा के भीतर है, जबकि रसोईघर म्यांमार की तरफ पड़ता है। ऐसे में परिवार का एक दिन दो देशों के बीच गुजरता है। यही कारण है कि यह घर दुनिया भर के पर्यटकों और यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है। लोंगवा गांव की एक और खास बात यह है कि यहां रहने वाले कोंगयाक नगा समुदाय के लोगों के सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध सीमा के दोनों ओर फैले हुए हैं। कई परिवारों के रिश्तेदार भारत और म्यांमार दोनों देशों में रहते हैं। इसी वजह से स्थानीय लोगों को दोनों तरफ आवाजाही की विशेष छूट प्राप्त है, जिससे वे खेती, व्यापार और पारिवारिक गतिविधियों के लिए सीमा पार आसानी से जा सकते हैं।

हालांकि लोंगवा का इतिहास केवल इसकी अनोखी सीमा तक ही सीमित नहीं है। कोंगयाक जनजाति कभी अपने योद्धा स्वभाव के लिए प्रसिद्ध थी। अतीत में उन्हें "हेडहंटर्स" के रूप में जाना जाता था, लेकिन समय के साथ यह परंपरा समाप्त हो गई। आज यह समुदाय अपनी समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक हस्तशिल्प और मेहमाननवाजी के लिए पहचाना जाता है।

आज के समय में लोंगवा गांव सिर्फ एक भौगोलिक अजूबा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता और सीमाओं से परे मानवीय रिश्तों का प्रतीक भी बन चुका है। यही वजह है कि यह अनोखा गांव इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है और दुनिया भर के लोगों की जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है।

अनोखा संत मगरमच्छ! 70 साल तक नहीं खाया मांस, सिर्फ मंदिर के प्रसाद से रहा जिंदा

मगरमच्छ का नाम सुनते ही लोगों के मन में एक खतरनाक और मांसाहारी शिकारी की छवि उभर आती है। आमतौर पर इसके जबड़ों में फंसने के बाद किसी भी शिकार का बच पाना लगभग असंभव माना जाता है। लेकिन भारत में एक ऐसा मगरमच्छ भी हुआ, जिसने अपनी अनोखी जीवनशैली से दुनिया को हैरान कर दिया। इस मगरमच्छ का नाम बाबिया था, जिसे लोग दुनिया का सबसे अनोखा और शाकाहारी मगरमच्छ मानते थे। केरल के प्रसिद्ध श्री आनंदपद्मनाभ स्वामी मंदिर में रहने वाला बाबिया करीब 70 वर्षों तक श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। मंदिर प्रशासन और पुजारियों के अनुसार, बाबिया कभी किसी इंसान, मछली या अन्य जीव-जंतु को नुकसान नहीं पहुंचाता था। यही नहीं, वह मांसाहारी भोजन से पूरी तरह दूर रहता था और केवल मंदिर में मिलने वाला प्रसाद ही ग्रहण करता था। बताया जाता है कि बाबिया दिन का अधिकांश समय मंदिर परिसर के तालाब में मौजूद एक रहस्यमयी गुफानुमा स्थान में बिताता था। दोपहर के समय वह बाहर निकलता, मंदिर परिसर में आता और भगवान के दर्शन करने के बाद श्रद्धालुओं को बांटे जाने वाले चावल और गुड़ के प्रसाद का सेवन करता था। इसके बाद वह शांतिपूर्वक वापस तालाब में लौट जाता था। बाबिया को लेकर स्थानीय लोगों के बीच कई धार्मिक मान्यताएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि सदियों पहले एक तपस्वी इस मंदिर में साधना करते थे। एक दिन भगवान कृष्ण बालक का रूप धारण कर वहां पहुंचे और अपनी शरारतों से ऋषि को परेशान करने लगे। क्रोधित होकर ऋषि ने उस बालक को तालाब में धक्का दे दिया। बाद में जब उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्होंने बच्चे को तलाशा, लेकिन वहां केवल एक गुफानुमा दरार दिखाई दी। मान्यता है कि भगवान उसी रास्ते से अदृश्य हो गए थे। कुछ समय बाद उसी गुफा से एक मगरमच्छ बाहर आने लगा, जिसे बाद में बाबिया के नाम से जाना गया। श्रद्धालु उसे भगवान का आशीर्वाद और मंदिर का रक्षक मानने लगे। सबसे हैरानी की बात यह रही कि तालाब में रहने के बावजूद बाबिया ने कभी मछलियों या किसी अन्य जलीय जीव का शिकार नहीं किया। उसकी शांत प्रवृति और प्रसाद पर निर्भर जीवनशैली ने उसे दुनिया भर में मशहूर बना दिया। अक्टूबर 2022 में बाबिया का निधन हो गया, लेकिन उसकी रहस्यमयी और अनोखी कहानी आज भी लोगों को हैरान कर देती है।

पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शुरू की मोर्चेबंदी

राज्य कांग्रेस में गुटबाजी पर राहुल गांधी सख्त, नेताओं को पढ़ाया एकजुटता का पाठ

» वड़िंग और बाजवा के साथ हुई चर्चा, अन्य नेताओं के साथ की व्यक्तिगत बैठकें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अगले साल पंजाब में होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने मेहनत करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और लोस में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने खुद कमान अपने हाथ में ली है। इसी के तहत उन्होंने बड़े नेताओं के मंथन शुरू कर दी है साथ ही उन्होंने गुटबाजी से दूर रहने को कहा और पार्टी में एकजुटता का संदेश दिया। पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने बताया कि यह बैठक 27 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए थी। सभी नेताओं ने इसमें अपनी राय रखी। वड़िंग ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान नितिन नबीन के पंजाब दौरे पर टिप्पणी की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश कांग्रेस में चल रही गुटबाजी को समाप्त करना था। राहुल ने वरिष्ठ नेताओं को एकजुटता का पाठ पढ़ाया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, सांसद चरणजीत सिंह चन्नी और विजय इंदर सिंगला समेत अन्य नेता शामिल थे। बाजवा ने बताया कि राहुल गांधी ने सभी वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। संगठनात्मक बदलाव का फैसला राहुल गांधी पर छोड़ दिया गया है। पंजाब की जनता कांग्रेस को एक और अवसर देने के लिए तैयार है। उन्होंने 24 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन का हवाला दिया। कांग्रेस ने तब 14 में से 8 संसदीय सीटें जीती थीं, जिनमें सात पंजाब की थीं। बाजवा के अनुसार, एकजुट होकर कांग्रेस 27 के विधानसभा चुनाव में 70 से 80 सीटें जीत सकती है। संगठनात्मक बदलाव पर मंथन पार्टी में प्रधान पद में बदलाव को लेकर भी चर्चा चल रही है। चरणजीत सिंह और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम पर विचार हो रहा है। पार्टी आलाकमान इन दोनों नामों पर गहन मंथन कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी खत्म करना पार्टी आलाकमान के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। पार्टी ने गुटबाजी पर सख्त रुख अपनाया है। राहुल ने पहले भी पंजाब दौरे के दौरान चेतावनी दी थी कि जो नेता काम नहीं करेगा, उसे घर बैठा दिया जाएगा। बैठक से पहले पर्यवेक्षकों ने भी नेताओं के साथ व्यक्तिगत बैठकें की थीं। इन बैठकों में सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री और जिला प्रधान शामिल थे। नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने बताया कि उन्होंने सबसे पहले समय मांगा था। उन्होंने बैठक के दौरान अपनी बात विस्तार से रखी।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया से भी मिले

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत राज्य के कई बड़े कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी और पार्टी आलाकमान से मुलाकात की। प्रताप सिंह बाजवा के अलावा पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य विजय इंदर सिंगला समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता 10 जनपथ स्थित सोनिया गांधी के आवास पर पहुंचे और चर्चा की।

बैठक विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए थी : वड़िंग

पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने बताया कि यह बैठक 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए थी। सभी नेताओं ने इसमें अपनी राय रखी। वड़िंग ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान नितिन नबीन के पंजाब दौरे पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा का पंजाब में जबरदस्ती करने का सपना पूरा नहीं होगा। पंजाब के लोग ऐसी किसी भी जबरदस्ती को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पार्टी जो भी फैसला लेगी, हम साथ खड़े हैं : बाजवा

मुलाकात के बाद प्रताप सिंह बाजवा ने खुद को पार्टी का वफादार बताया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने आज पंजाब के पांच सीनियर कांग्रेस नेताओं को बुलाया था। मैंने उनके सामने अपना नजरिया रख दिया है। अब वे जो भी फैसला लेंगे, हम उसका पूरा सपोर्ट करेंगे। हम कांग्रेस के समर्पित सिपाही हैं; वे हमें कोई पद दें या न दें, हम हमेशा राहुल जी और कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे।

जदयू की कमान फिर संभालेंगे नीतीश

» पूरे बिहार का दौरा करेंगे पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जेडीयू की राष्ट्रीय परिषद ने नीतीश कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष और उमेश कुशवाहा को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के फैसले पर औपचारिक मुहर लगा दी है। इस बैठक में नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की सक्रिय भागीदारी भी आकर्षण का केंद्र रही, जिन्हें पार्टी नेता जेडीयू के भविष्य के रूप में देख रहे हैं। जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय परिषद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हो गई है। इस बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष और उमेश कुशवाहा को बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी गई है। बैठक के बाद मंत्री मदन सहनी ने मीडिया को बताया कि उमेश कुशवाहा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर काम करते रहेंगे।

मदन सहनी ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान संभालने के बाद नीतीश जल्द ही पूरे बिहार के दौरे पर निकलेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य राज्य के अलग-अलग इलाकों में जाकर सरकार और पार्टी संगठन के कामकाज की समीक्षा करना है। इसके साथ ही, वे सीधे जनता से बातचीत करेंगे, उनकी समस्याओं को सुनेंगे और उनके सुझाव भी लेंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने कहा कि नीतीश का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना सभी कार्यकर्ताओं के लिए बेहद खुशी की बात है। इस बैठक में नीतीश कुमार के बेटे और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे कार्यकर्ताओं का जोश दोगुना हो गया है।

योग से रहोगे निरोग का दिया मंत्र

» सभी वर्ग के लोगों ने किया योगाभ्यास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गंगोत्री विहार छोटा भरवारा गोमती नगर विस्तार योगा पार्क मैं योग और व्यायाम का कार्यक्रम बहुत ही भव्य रूप से संपन्न कराया गया। इस कार्यक्रम में समस्त कॉलोनी वासियों बच्चे, बुजुर्ग लोग एवं मातृशक्ति का पूर्ण सहयोग रहा । योगाचार्य हुआ प्रशिक्षक श्रीमती रीता यादव और पति श्रीमान विजय यादव (जो कि पुलिस विभाग में कार्यरत) के सानिध्य में इस कार्यक्रम को विभिन्न आसनों जैसे सूर्य नमस्कार, कपालभारती ,अनुलोम विलोम, भुजंगासन, शलभासन के माध्यम से योग का कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

योगाचार्य रीता यादव द्वारा बताया गया कि योग का नियमित अभ्यास व्यक्ति के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाता है आसन प्राणायाम और ध्यान जैसे अभ्यास शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक तनाव को भी कम करते हैं। आज बदलते सामाजिक परिवेश में मनुष्य और प्रकृति के प्रति दयालुता की भावना पहले से अधिक आवश्यक हो गई है हमें अपने व्यवहार, संबंधों और कार्यशैली में करुणा तथा सद्भावना को प्राथमिकता देनी चाहिए। मीडिया प्रवक्ता जगत सिंह कार्की द्वारा बताया गया कि इस योगा पार्क में प्रतिदिन सुबह 5.30 से प्रात: 6.30 बजे तक योग का कार्यक्रम सभी लोगों द्वारा किया जाता है। इस योग कार्यक्रम को संपादित करने में समिति के अध्यक्ष संजय पाल , कमल नेगी , मौर्या , बी एल यादव , इत्यादि जनों का विशेष सहयोग रहा।

नालायक जमाई बाबू साबित हो रहे जेडी वेंस: प्रियंका चतुर्वेदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच शांति स्थापित करने को लेकर स्विट्जरलैंड में हाई लेवल मीटिंग चल रही है। इसको लेकर दुनिया को एक बार फिर से उम्मीद है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुलेगा और लंबे समय से बाधित ऑयल और गैस की सप्लाई ठीक से हो सकेगी। इस बीच अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस का एक वीडियो सामने आया है, वीडियो में जेडी वेंस पाकिस्तान के फील्ड मार्शल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

इस वीडियो शेयर करते हुए शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि उप राष्ट्रपति वेंस भारत के नालायक दामाद साबित हो रहे हैं। लेकिन दुनिया में शांति के लिए हमें उनके मिशन की सफलता की कामना करनी चाहिए, जो साफ तौर पर फिर से मुश्किल और साथ ही अमेरिका के लिए शर्मनाक भी लग रहा है।

इंग्लैंड से वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

» कोहली और बुमराह की टीम में वापसी, यशस्वी जायसवाल बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। 15 सदस्यीय टीम में विराट कोहली की वापसी हुई है। हालांकि, फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही वो इस सीरीज में भाग ले पाएंगे। कोहली को आईपीएल के फाइनल में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके चलते वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी वनडे टीम में लौटे हैं। बुमराह आखिरी बार 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय टीम के लिए 50 ओवर का क्रिकेट खेले थे।

इसके अलावा ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी वनडे टीम में शामिल किए गए हैं। अक्षर अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं थे। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल को इस सीरीज में मौका नहीं मिला है। यशस्वी को कोहली के चोटिल होने पर ही अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में चुना गया था। अब इंग्लैंड के खिलाफ कोहली की वापसी के बाद उनकी जगह नहीं बन पाई। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलेगी। टी-20 टीम का ऐलान पहले ही हो चुका है। टी-20 सीरीज एक जुलाई से शुरू होगी। इसके बाद 14 जुलाई से वनडे सीरीज खेली जाएगी। बीसीसीआई ने यह भी बताया कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। चक्रवर्ती आईपीएल 2026 के दौरान बाएं पैर में चोट लगने के बाद बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने रिहैब के आखिरी दौर में हैं।

200 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बनीं हरमनप्रीत

मैनचेस्टर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला टी20 विश्वकप के मुकाबले में मैदान पर उतरते ही इतिहास रच दिया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 मैच खेलने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। खास बात यह है कि अब तक किसी भी पुरुष या महिला क्रिकेटर ने यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी। जैसे ही हरमनप्रीत टॉस के लिए मैदान पर पहुंचीं, उनके नाम यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। उप-कप्तान स्मृति मंधाना और हेड कोच अमोल मजूमदार ने हरमनप्रीत कौर को पूरी टीम के हस्ताक्षर वाली एक खास 200 नंबर जर्सी और कैप भेंट की। सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में हरमनप्रीत के बाद न्यूजीलैंड की दिग्गज बल्लेबाज सूजी बेट्स है, जिन्होंने 184 मुकाबले खेले हैं। वहीं, पुरुष क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का रिकॉर्ड पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम है, जिन्होंने 159 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

राम मंदिर चढ़ावे को लेकर पूरे देश में भाजपा पर लोग हुए आग बबूला

भाजपा ने महमूद गजनी की तरह राम मंदिर को लूटा : संजय राउत

» सियायी पार्टियों के साथ आमजन का भी बीजेपी पर निशाना

» अंबाबाई मंदिर को लेकर भी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा अब केवल यूपी में ही निशाने पर नहीं है अब उसे दिल्ली व महाराष्ट्र समेत पूरे देश के सभी विपक्षी नेताओं के निशाने पर है। यहीं नहीं कि सिर्फ सियासी दल भाजपा को घेर रहे। भाजपा की आलोचना अब सोशल मीडिया पर आम से लकर खास तक करने लगे हैं। इसबीच ममला हाईकोर्ट पहुंच गया। इसकी सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच करेगी। अब शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोला है और भाजपा की तुलना लुटेरे महमूद गजनी से कर दी है।

राउत ने कहा कि यह लूट और कानून व्यवस्था का पतन है। शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में लिखे लेख में राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। राउत ने लिखा, देश ने अब देख लिया है कि मंदिर विकास का असल मतलब क्या होता है। अयोध्या के राम मंदिर में दान पेटियों की लूट। राम मंदिर में दान, सोना, चांदी और आभूषणों की खुलेआम लूट हुई। कार सेवकों ने राम मंदिर के लिए अपना खून बहाया, फिर भी भाजपा ने उसी मंदिर को लूटा। जिस तरह से महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर को संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में देश के कई प्रमुख मंदिरों को लूटा गया और ये सभी लुटेरे भाजपा के भीतर ही मौजूद हैं और शाह की गोद में बैठे हैं। शाह आरोप लगाते हैं कि उद्धव ठाकरे, कांग्रेस की गोद में बैठे हैं। यह उनका महाराष्ट्र विरोध है। ये लोग खुद राम मंदिर के लुटेरे और लोकतंत्र के हत्यारे हैं। लूटा, उसी तरह से भाजपा ने राम मंदिर को लूटा है। राउत ने लिखा, कम से कम अंबाबाई मंदिर में चोरी और डकैती तो नहीं हुई। राम मंदिर में दान पेटी की चोरी कानून व्यवस्था का पतन है।

मुखपत्र सामना के लेख में लगाए बड़े आरोप

गबन में शामिल लोगों को बचाने का प्रयास : तारिक

कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने राम मंदिर चढ़ावे में कथित गबन पर कहा, जब तक कोई कड़ी कार्रवाई नहीं होती है तब तक ऐसा लगता है कि लीपापोती हो रही है, जो लोग इस पूरे गबन में शामिल हैं उनको बचाने का प्रयास किया जा रहा है... इसमें एफआईआर करनी चाहिए थी, इसके बाद जिन पर आरोप लगते उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए था, पूछताछ करनी चाहिए थी लेकिन यह नहीं किया गया..। पूछा गया कि एफआईआर के बिना एसआईटी के गठन से आप लोग खुश नहीं हैं? इस पर कांग्रेस नेता ने कहा, बिल्कुल हम लोगों का मानना है कि कोई भी छोटा से छोटा केस होता है तो एफआईआर होती है। तो पहले आप एफआईआर तो करिएज उसके बाद एफआईआर के जरिए जांच हो और पुलिस तहकीकात करे तो तत्काल उसका कुछ परिणाम आ सकता है। एसआईटी बना देना या और कोई इस तरह की व्यवस्था कर देना, जज के द्वारा जांच कराना, ये लंबा प्रोसेस है।

दान में करोड़ों का घोटाला पर अबतक एफआईआर क्यों नहीं: केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर दान में करोड़ों की चोरी का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि इस मामले में बड़े नाम शामिल हैं और अगर निष्पक्ष जांच हुई तो सरकार भी गिर सकती है, साथ ही उन्होंने एफआईआर दर्ज न होने पर भी सवाल उठाए।आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने राम मंदिर कमेटी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि राम मंदिर के चंदे से करोड़ों रुपये की चोरी हो गई है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि केंद्र और राज्य दोनों जगह एनडीए की सरकार होने के बावजूद अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। एक्स पर अपनी बात रखते हुए लिखा, अयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों हिंदुओं की आस्था जुड़ी है। उसी मंदिर से करोड़ों रुपये के चंदे की चोरी हो गई, पर एक भी एफआईआर नहीं हुई। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में बहुत बड़े-बड़े नाम शामिल हैं और अगर इस पर निष्पक्ष कार्रवाई की गई, तो सरकार भी गिर सकती है। आप प्रमुख ने सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर सरकार किसे बचाने की कोशिश कर रही है?

यह किसी व्यक्ति का नहीं पार्टी का कार्यक्रम है : खरगे

» कांग्रेस के संकल्प समावेश कार्यक्रम के दौरान डीके-डीके के नारे से भड़के राष्ट्रीय अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में आयोजित कांग्रेस के संकल्प समावेश कार्यक्रम के दौरान मंच से भाषण दे रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उस समय आगबबूला हो गए, जब पार्टी कार्यकर्ताओं के एक गुट ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थन में डीके-डीके के नारे लगाने शुरू कर दिए और कार्यक्रम में बाधा डाली। खरगे ने नारेबाज़ी करने वाले कार्यकर्ताओं को मंच से ही बेकार लोग कहकर कड़ी फटकार लगाई। नारेबाज़ी से नाराज खरगे ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि यह कांग्रेस का कार्यक्रम है, किसी एक व्यक्ति विशेष को बढ़ावा देने का मंच नहीं। उन्होंने कड़े लहजे में कहा क्या यहां नारे लगाने से पूरे देश पर कोई असर पड़ेगा? यह किसी व्यक्ति का कार्यक्रम नहीं है, यह पार्टी का कार्यक्रम है। तुम बेकार लोग! यहां किसी व्यक्ति की पूजा नहीं होती, हम यहां पार्टी के लिए आए हैं जो हम सभी को एक साथ लाती है। खरगे ने कार्यक्रम में मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए पूछा, अगर एक व्यक्ति कुछ कहता है और दूसरा कुछ और चिल्लाता है, तो बाकी लोग यहां किसलिए आए हैं? क्या वे फर्श पर झाड़ू लगाने आए हैं? अपने लंबे राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कांग्रेस प्रमुख ने नेताओं को अपनी हद में रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, मेरे पास 58 वर्षों का राजनीतिक अनुभव है। यहां कई नेता आए हैं, हालांकि पार्टी में उनका योगदान कम है, लेकिन पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है।

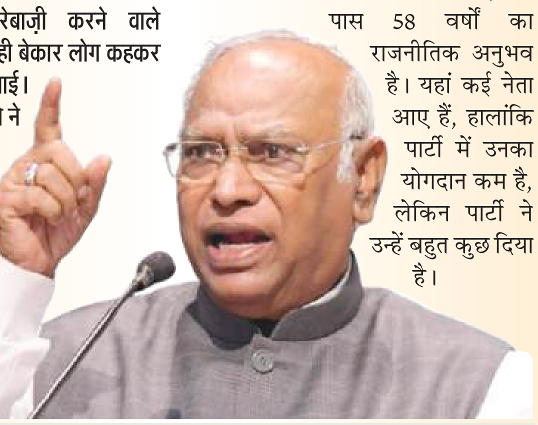

कांग्रेस में तीन होल्डिंग कंपनियां और एक सब्सिडियरी: भाजपा

इस पूरी घटना पर मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुटकी लेने में देर नहीं की। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने इस घटनाक्रम को कांग्रेस के भीतर चल रही सत्ता की आपसी खींचतान का नतीजा बताया। गौरव ने कांग्रेस के नेतृत्व ढांचे का मज़ाक उड़ाते हुए कॉरपोरेट जगत की तर्ज पर एक नया विश्लेषण पेश किया- कांग्रेस : एम (मम्मी) पहली होल्डिंग कंपनी (सोनिया गांधी), कांग्रेस पी (प्रियंका), दूसरी होल्डिंग कंपनी (प्रियंका गांधी वाड्रा) कांग्रेस आर (राहुल) तीसरी होल्डिंग कंपनी (राहुल गांधी), कांग्रेस के (खड़गे) इन तीनों बड़ी होल्डिंग कंपनियों की एक सब्सिडियरी यानी सहायक कंपनी। क्या आप सोच सकते हैं कि किसी राजनीतिक पार्टी का अध्यक्ष अपने ही मुख्यमंत्री (या बड़े नेता) के लिए लगाए जा रहे नारों से नाराज़ हो रहा है? ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि खड़गे जी खुद कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। बेंगलुरु के इस वाकये ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कर्नाटक कांग्रेस के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। जहां एक तरफ खरगे पार्टी में अनुशासन की दुहाई दे रहे है।

अमेरिका-ईरान की शांति वार्ता में नहीं रुक रही खलल

» लेबनान पर इजराइल हमले के बाद कतर के गैस टर्मिनल में बड़ा धमाका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता होने के बाद भी मध्यपूर्व में लड़ाई शांत नही हो रही है। इसराइल के लेबनान पर हमले के एक दिन बाद कतर के रास लाफान में एक प्रमुख नेचुरल गैस एक्सपोर्ट टर्मिनल में रविवार रात तेज धमाका हुआ। हादसा तब हुआ जब ईरान के हमले के बाद यहां कर्मचारियों की ओर से टर्मिनल को दोबारा शुरू करने की कोशिश की जा रही थी। तेज धमाके के चलते के चलते वहां भीषण आग लग गई। जिसमें करीब 54 लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि 18 लोग कई घंटों बाद तक लापता थे।

फिलहाल, राहत-बचाव टीमें मौके पर लगातार काम कर रही हैं। इस घटना के बाद ईरान-अमेरिका वार्ता में बड़ा फैसला लिया गया। विवाद सुलझाने के 4 कमेटियां बना दी गई है। कतर-पाक ने इसका प्लान जारी किया। कतर दुनिया के टॉप नेचुरल गैस उत्पादकों में से एक है, ऐसे में यहां के इंडस्ट्रियल एरिया में हुए इस बड़े धमाके का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है। उधर, ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के चलते कतर अपने सप्लायर को गैस की आपूर्ति नहीं कर पा रहा था, जिसके चलते कतर ने अपना उत्पादन बंद कर दिया था। कतर की सरकारी कंपनी कतरएनर्जी के मुताबिक एक्सपोर्ट टर्मिनल में काम के दौरान रविवार रात बरजान गैस सप्लाई प्लांट में एक बड़ा धमाका हुआ और आग लग गई। टर्मिनल हुए धमाके के चलते होने वाले नुकसान की अब तक कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आ पाई है।

बातचीत का पहला दौर खत्म हुआ : अराघची

ईरान और अमेरिका के बीच एक 14-पॉइंट के समझौते को लेकर बातचीत का पहला दौर खत्म हुआ है। इसके बाद ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोमवार (22 जून) को बताया कि लेबनान में चल रही जंग को रोकने के लिए काफी अच्छी प्रगति हुई है, उन्होंने इस बातचीत को दोनों देशों के बीच की पहली असली परीक्षा कहा है।

तमिलनाडु में बवंडर ने मचाई तबाही

» पेड़ उखड़े, बिजली के खंभे टूटे, घरों को पहुंचा नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के तूतुकुड़ी जिले में अचानक आए एक भयानक और विनाशकारी तूफान ने भारी तबाही मचाई है। इस तूफान के कारण कई घर, बिजली के खंभे, एक टोल प्लाजा और एक प्राइवेट थीम पार्क पूरी तरह बर्बाद हो गए। इस घटना के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें धूल और मलबे का एक बहुत बड़ा घूमता हुआ खंभा आसमान की तरफ उठता हुआ दिखाई दे रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों ने साफ किया है कि बादलों की एक खास स्थिति के कारण उठी तेज हवाएं थीं। यह तूफान तूतुकुड़ी शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर, तूतुकुड़ी-तिरुनेलवेली हाईवे पर स्थित वागाईकुलम व मुडिवैथनेन्दल गांवों में आया, जिसके चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

नगर निगम कार्यकारिणी समिति के छह सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

» विशेष अधिवेशन से पूर्व महापौर ने पार्षदों के साथ की बैठक, निकाली पदयात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ की कार्यकारिणी समिति के सेवानिवृत्त छह सदस्यों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में विशेष अधिवेशन एवं चुनाव प्रक्रिया का आयोजन किया गया। चुनाव में छह पदों के सापेक्ष छह प्रत्याशियों द्वारा नामांकन किए जाने के कारण सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। विशेष अधिवेशन से पूर्व भाजपा मुख्यालय के निकट स्थित 9 बंगला में महापौर सुषमा खर्कवाल ने भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के साथ पार्षदगणों की बैठक में सहभागिता की।

बैठक में संगठनात्मक विषयों, नगर विकास से जुड़े मुद्दों तथा विशेष अधिवेशन पर विस्तार से चर्चा की गई। चुनाव प्रक्रिया के दौरान लालकुआं वार्ड से सुशील तिवारी पम्मी जी, तिलक नगर कुंडरी रकाबगंज वार्ड से राजीव बाजपेई जी, राजीव गांधी प्रथम वार्ड से संजय राठौर न्यू हैदरगंज तृतीय वार्ड से विनोद यादव फैजुल्लागंज प्रथम वार्ड से रश्मि सिंह तथा भरवारा मल्हौर वार्ड से ममता रावत ने कार्यकारिणी समिति सदस्य पद हेतु अपना नामांकन प्रस्तुत किया।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा